राजस्थान पत्रिका
बेंगलूरु, बुधवार
1 अगस्त 2012
श्रावण शुक्ल पक्ष चतुर्दशी, संवत् 2069

मानव सेवा

रोजाना 10 हजार बुजुर्गों को भोजन

भूख के खिलाफ छेड़ी मुहिम

मोहसिन शरीफ एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट के अंतर्गत भूख के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के तहत भोजन करते बुजुर्ग।

मोहसिन शरीफ बहुत जल्द वे इसका लाभ एक लाख बुजुर्गों तक पहुंचाने जा रहे हैं। योजना पर सालाना करीब ढाई करोड़ रुपए खर्च होते हैं।

शैलेश कुमार @ बेंगलूरु
bangaluru@patrika.com

रमजान के पवित्र माह में हर कोई पुण्य कमाने के लिए उपवास करता है और दान-पुण्य करता है, लेकिन राजधानी के एक व्यापारी मोहसिन शरीफ के लिए साल के सभी दिन रमजान से कम नहीं होते।

वे गत कई वर्षों से उनकी सेवा में लगे हैं जो परिवार की उपेक्षा का शिकार हैं। शरीफ ने जरूरतमंद बुजुर्गों का रोजाना पेट भरने का जिम्मा उठा रखा है। वे रोजाना 10 हजार बुजुर्गों को भोजन कराते हैं। इससे उम्र के ढलते पड़ाव में खुद को बेसहारा महसूस कर रहे हजारों बुजुर्गों को सहारा मिला है।

शरीफ बताते हैं कि इंसान ही इंसान के काम आ सकते हैं। अब तक मोहसिन शरीफ एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट के बैनर तले मध्याह्न भोजन की योजना के तहत रोजाना हजारों लोग लाभान्वित हो रहे हैं, लेकिन बहुत जल्द वे इसका लाभ एक लाख बुजुर्गों तक पहुंचाने जा रहे हैं। योजना पर सालाना करीब ढाई करोड़ रुपए खर्च होते हैं। व्यापार से होने वाली आय तथा दानदाताओं के सहयोग से योजना का क्रियान्वयन हो रहा है।

विधवाओं की मदद

शरीफ ने बताया कि निर्धन विधवाओं को सिलाई मशीन बांटकर उनकी मदद करने तथा बच्चों के लिए टीकाकरण की योजना को जल्द मूर्त रूप देने की तैयारी चल रही है। रमजान के मौके पर उपवास करने वाले बच्चों को रोजाना भोजन का विशेष पैकेट दिया जा रहा है। लिंग, वर्ग, जाति व धर्म से ऊपर उठकर समाज के जरुरतमंद तबकों की मदद करके उनके उत्थान का यह प्रयास समाज को जागरुक बनाने वाला है।

खुदवाएंगे नलकूप

ट्रस्ट की नई योजना जरुरतमंदों को पीने का पानी मुहैया कराने के लिए 1000 नलकूप खोदने की है। बेंगलूरु तथा मैसूर के मस्जिदों, मंदिरों तथा गिरिजाघरों में हरेक में 225 नलकूप लगाए जाएंगे, ताकि जरुरतमंद लोग इससे लाभान्वित हो सके तथा नलकूपों की देखभाल भी हो सके।

पढ़ें भूख @ पेज 2